एक इंजीनियरिंग कालेज स्थापित करने की व्यवस्था है।

(ख) कोई नहीं।

t[THE MINISTER OF SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS (SHRI HUMAYUN KABIH) : (a) The Third five-year plan of Madhya Pradesh provides for the establishment of one engineering college.

("hi TJorifvl

मध्य प्रदेश द्वारा विश्वविद्यालयों के लिये मांगी गई सहायता

७३७. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश सरकार ने १९६०-६१ तथा १९६१-६२ के वर्षों में विश्वविद्यालयों के लिए कितनी-कितनी राशि किस-किस मद के लिए मांगी थी ;

(ख) उनको कुल कितनी राशि किस-किस मद के लिए किस-किस वर्ष में दी गई ;

(ग) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश सरकार ने केन्द्रीय सरकार को सूचना दे रखी है कि केन्द्र जिस-जिस मद के लिए जितनी-जितनी राशि देगा उतनी-उतनी राशि मध्य प्रदेश सरकार भी देगी ; और

(घ) यदि हां, तो क्या कारण हैं कि मध्य प्रदेश के विक्रम तथा जबलपुर विश्वविद्यालयों को कम सहायता दी जाती है ?

ASSISTANCE DEMANDED BY MADHYA PRADESH GOVERNMENT FOR UNIVERSITIES

737. SHRI V. M. CHORDIA: Will "the Minister of EDUCATION be pleased to state:

f[ ] English translation.

(a) the amount of assistance demanded by the Government of Madhya Pradesh for the universities during the years 1960-61 and 1961-62 and the items for which it was demanded;

(b) the total amount given to the universities and the items for which and the years in which it was given;

(c) whether it is a fact that the Government of Madhya Pradesh have informed the Central Government that they will be making matching grants for each item for which money is given by the Centre; and

(d) if so, the reason for which the Vikram and Jabalpur Universities in Madhya Pradesh are given lesser amount of assistance?]

शिक्षा मंत्री (डा० कालू लाल श्रीमाली) : (क) जी कोई नहीं।

(ख) विवरण संलग्न है।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता। सामान्यतया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समस्त विश्वविद्यालयों को समान राशि के अनुदान नहीं देता, बल्कि प्रत्येक विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं और प्रत्येक मामले में योग्यता के आधार पर अनुमोदित योजनाओं के संदर्भ में अनुदान देता है।

विवरण

(ख) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने मध्य प्रदेश में स्थित विश्वविद्यालयों को मोटे तौर पर निम्नांकित कार्यों के लिए अनुदान दिये :--

(१) अध्यापकों के वेतन-मानों में सुधार ;

(२) तीन-वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम को लागू करना ;

(३) अध्यापकों, विद्वानों और शिल्पियों के लिए यात्रा अनुदान ;

(४) छात्रावासों का निर्माण;

(५) कर्मचारियों के लिए क्वार्टरों का निर्माण;

(६) पुस्तकालयों का विस्तार, जिसमें फर्नीचर और पुस्तकों की खरीद भी शामिल है ;

(७) प्रयोगशालाओं का विस्तार, जिसमें भवन निर्माण और फर्नीचर तथा उपस्कर को खरीद भी शामिल है ;

(८) गैर-रिहाइशी छात्रों के केन्द्रों और हाबी-वर्कशापों की स्थापना ।

कुल राशि और जिन वर्षों में यह दी गई, उसका विवरण इस प्रकार है :

	रुपये
१९६०-६१ .	९,९०,७७८.९६
१९६१-६२ .	२६,७०,१६३.८९
जोड़	३६,६०,९४२.८५

†[THE MINISTER OF EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) None, Sir.

(b) A statement is attached.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise. Generally grants are paid by the University Grants Commission not on the basis of equal amounts for all universities, but with reference to the needs of each University and the schemes approved on merit in each case.

STATEMENT

(b) Broadly the items on which the grants were given by the University Grants Commission to the Universities in Madhya Pradesh are as follows: —

(1) Improvement of salary scales of teachers;

(2) Implementation of Three Year-Degree Course;

(3) Travel grants to teachers, scholars and technicians;

(4) Construction of hostels;

(5) Construction of staff quarters;

(6) Extension of libraries including purchase of furniture and books;

(7) Extension of laboratories including construction of buildings and purchase of furniture and equipment;

(8) Establishment of non-resident student's centres and hobby-workshops.

The total amount and the years in which it was given is as follows: —

		Rs.
1960-61	..	9,90,778.96
1961-62	..	26,70,163.89
TOTAL		36,60,942.85]

†[ ] English translation

मध्य प्रदेश में पाथरखेड़ा कोयला क्षेत्र के लिये परियोजना प्रतिवेदन

७३८. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या खान तथा ईंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में पाथरखेड़ा कोयला क्षेत्र के लिए परियोजना-प्रतिवेदन तैयार करने का कार्य कब शुरू हुआ था और प्रतिवेदन के कब तक पूरे होने की सम्भावना है ; और